

स्वामी जी का दिव्य नाम

!! परम पूज्य गुरुदेव गोविंदगिरिजी महाराज !!



प - परम पूज्य गुरुदेव जी को प्रणाम करते हम।

पू - पूजनीय उनका कार्य विश्वरूप बन रहा है।

गु - गुरूजी की वाणी हमें गीता ज्ञान समझाती है।

रु - रूक्ष जीवन में उल्हास की आशा जगाते हैं।

दे - देश विदेश में गीता ज्ञान का प्रचार कर रहे हैं।

व - वचन हम देते हैं कि आपकी गीता की पताका सदा फहरायेंगे।

गो - गोविंद-कृष्ण-राम- हरि सभी है आपमें।

वि - विज्ञान युग से गीता जोड़ी है आपने ।

द - दस दिशाओं में गीता गुंजन हो रहा है।

गि - गिरी कंदराओं में गीता ज्ञान पहुँच रहा है ।

री- रीति - निति सत्य पर यह कार्य हो रहा है ।

जी - जीवन में सभी को परीवर्तन दिख रहा है ।

म- महान गीता, महान गुरुदेव का यह कार्य ।

हा - हाँ! हम जन जन तक पहुँचायेंगे।

रा- राम राज्य की स्थापना करके विश्व में शांति बनायेंगे ।

ज- जय-जय कार महान गुरुदेव का आशिष हम पायेंगे ।

~ रजनी प्रकाश पाटील धुळे, महाराष्ट्र

